



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 186]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 30, 1975/ज्येष्ठ 9, 1897

No. 186]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 30, 1975/JYAISTHA 9, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

ORDER

New Delhi, the 30th May 1975

S.O. 237(E)/18E/IDRA/75.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 695(E)/18AA/IDRA/72, dated the 3rd November, 1972, issued under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government has authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, to take over the management of the industrial undertaking known as M/s. Ganesh Flour Mills Company Limited, Delhi (hereafter in this Order referred to as the said industrial undertaking) for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E read with sub-section (5) of section 18AA of the said Act, the Central Government specifies, in the schedule annexed hereto, the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the said industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the Order under section 18AA.

THE SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the industrial undertaking
(1)	(2)
Section 166	Provision of this section shall not apply to the said industrial undertaking.
Section 169	Do.
Section 210(1)	Do.
Section 212	Do.
Section 214	Do.
Section 217	Do.
Section 224	Do.
Section 225	Do.
Section 293	Do.
Section 294(2)	Do.

[No. F.4/12/72-CUC]

B. N. JAYASIMHA, Jt. Secy.

उद्योग और नागरिक पूंति मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 30 मई, 1975

का० आ० 237अ/-18 ई/आई० डी० आर० ए०/75—यतः उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक के अधीन जारी किए गए भारत सरकार के औद्योगिक विकास मन्त्रालय के आदेश सं० का० आ० 695(ई)/18 कक०/आई० डी० आर० ए०/72, तारीख 3 नवम्बर, 1972 द्वारा केन्द्रीय सरकार के इन्डस्ट्रियल रिकन्सट्रक्शन कार्पोरेशन आफ् इण्डिया लिमिटेड, कलकत्ता, को मैसर्स गणेश फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, दिल्ली के नाम से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम (जिसे इसके पश्चात् इस आदेश में उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है), का प्रबन्ध उसमें विनिर्दिष्ट अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 18कक, की उपधारा (5) के साथ पठित धारा 18ड की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इससे उपावृद्ध अनुसूची में उन अपवादों, निबन्धनों और परिसीमाओं को विनिर्दिष्ट करती है जिनके अधीन रहते हुए कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त औद्योगिक उपक्रम को उसी रीति से लागू होता रहेगा जैसे वह धारा 18 कक के अधीन आदेश के जारी होने से पूर्व उसे लागू था।

अनुसूची

कम्पनी अधिनियम, 1956 के वे अपवाद, निबन्धन, और परिसीमाएं जिनके अधीन रहते उपबन्ध हुए स्तम्भ (1) में वर्णित उपबन्ध औद्योगिक उपक्रम को लागू होंगे।

1	2
धारा 166	इस धारा के उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे।
धारा 169	यथोक्त
धारा 210(1)	यथोक्त
धारा 212	यथोक्त
धारा 214	यथोक्त
धारा 217	यथोक्त
धारा 224	यथोक्त
धारा 225	यथोक्त
धारा 293	यथोक्त
धारा 294	यथोक्त

[सं० फा० 4/12/72-सी०यू०सी०]

बी० एन० जयसिंह, संयुक्त सचिव।